सत्यमेव जयते

एस. चावला
महानिदेशक
S. Chawla
Director General

भारत सरकार
रक्षा मंत्रालय
वैमानिक गुणवत्ता आश्वासन महानिदेशालय
डी.जी.ए.क्यू.ए., ए-ब्लॉक, नई दिल्ली-110001
GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF DEFENCE
DIRECTORATE GENERAL OF
AERONAUTICAL QUALITY ASSURANCE
DGAQA, 'A'-BLOCK, KG Marg
NEW DELHI-110001
Tele : 011-2411801
Email : dg.dgaqa@gov.in
Website : www.dgaeroqa.gov.in

DO: 1171/DGAQA/SJC

31 अगस्त 2023

70वें स्थापना दिवस पर महानिदेशक महोदय का संदेश

70वें स्थापना दिवस के अवसर पर मैं सभी वैगुआमनि कर्मियों और उनके परिजनों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देता हूँ।

हमारे वैगुआमनि के सभी गणमान्य अधिकारियों और उनके परिजनों को मेरी विशेष शुभकामनाएं। यह उनकी दूरदर्शिता और कड़ी मेहनत ही है जिसने सन् 1954 में वैगुआमनि की स्थापना के बाद से ही इसे आगे बढाया है।

वैगुआमनि दिवस पीछे मुड़कर देखने और हमारी उपलब्धियों को उल्लेखित करने का एक महत्वपूर्ण अवसर है। यह उड़ान सुरक्षा के प्रति अपेक्षित गुणवत्ता आश्वासन प्रदान करने के हमारे प्राथमिक उद्देश्य के प्रति खुद को फिर से समर्पित करने का भी एक अवसर है।

गत वर्ष के दौरान गुणवत्ता संस्कृति में सुधार करने, व्यापार करने में आसानी लाने एवं रक्षा में आत्मनिर्भरता प्राप्त करने के उद्देश्य से सरकार के द्वारा गुणवत्ता आश्वासन प्रक्रियाओं और प्रथाओं के सरलीकरण के माध्यम से सरकार के द्वारा गुणवत्ता आश्वासन (क्यूए) सुधारों पर बहुत जोर दिया गया है। इस दिशा में हमने निम्नलिखित पहल की हैं:-

(i) <u>डीडीपीएमएएस का संशोधन</u>: डीडीपीएमएएस दस्तावेज को हाल ही में सभी हितधारकों के सुझावों को शामिल करने के बाद संशोधित किया गया है। इस दस्तावेज़ का नाम बदलकर भारतीय सैन्य उड़ानयोग्यता प्रक्रिया (IMAP-2023) किया जा रहा है। यह संस्करण उड़ान योग्यता प्रमाणन और गुणवत्ता आश्वासन पहलुओं में अगले स्तर के सुधार प्रदान करता है। इससे सैन्य उड्डयन में उत्पादकों और उपयोगकर्ताओं दोनों को लाभ होगा।

(ii) <u>ओएफबी निगमीकरण के उपरांत ओएफ-डीपीएसयू के लिए एएफक्यूएमएस</u>: क्यूसी/क्यूए चरणों की प्रमुख समीक्षा की गई जिसमें आयुध कारखानों के क्यूएमएस को मजबूत किया गया और उन्हें एचएएल, बीईएल जैसे अन्य सहयोगियों के समकक्ष लाया गया। तदनुसार, डीजीएक्यूए के दायरे में कुल 16 कारखानों में से 13 कारखानों को एएफक्यूएमएस अनुमोदन प्रदान किया गया।

(iii) <u>सी-295 टाटा-एयरबस परियोजना में डीजीएक्यूए की भागीदारी</u>: यह परियोजना सैन्य विमानन उत्पादन में गेम चेंजर साबित होने की संभावना रखता है, जो विदेशी ओईएम साझेदारी के साथ निजी क्षेत्र की पहली परियोजना है। डीजीएक्यूए के अधिकारियों ने मेसर्स एयरबस, स्पेन में प्रशिक्षण लिया और खरीदे गए विमानों के पीडीआई और उसके बाद देश में उत्पादन के लिए तैयार हैं।

(iv) <u>डीजीएक्यूए-एएफक्यूएमएस अनुमोदन</u>: हमने कुल 104 फर्मों को एएफक्यूएमएस अनुमोदन प्रदान किया है। इसके अलावा, हमने निजी फर्मों को भी एएफक्यूएमएस की मंजूरी देना शुरू कर दिया है और वर्तमान में ऐसी पांच फर्मों को मंजूरी दी गई है।

(v) <u>फर्मों और परीक्षण प्रयोगशालाओं का पंजीकरण</u>: भारतीय रक्षा उद्योग के विस्तार की दिशा में फर्मों और परीक्षण प्रयोगशालाओं की क्षमता मूल्यांकन और पंजीकरण के हिस्से के रूप में कुल 94 फर्म और 17 परीक्षण प्रयोगशालाएं हमारे साथ पंजीकृत हैं।

(vi) डीजीएक्यूए स्वदेशी डिजाइन और विकास परियोजनाओं जैसे एलसीए, एएलएच, एलयूएच, एलसीएच, एचटीटी-40, सारस, एएमसीए आदि के साथ-साथ स्वदेशीकरण, सामग्री प्रतिस्थापन, जीवन विस्तार अध्ययन में विभिन्न गतिविधियों के दौरान सक्रिय दृष्टिकोण के माध्यम से उद्योग का लगातार समर्थन कर रहा है। रक्षा मंत्रालय के प्रमुख कार्यक्रमों जैसे आईडीईएक्स (iDEX), डीटीआईएस (DTIS), एमआरजीसी (MRGS) आदि को भी अपेक्षित कवरेज प्रदान किया जाता है। हमने पिछले साल BEL-कोटद्वार और ओईएफ (OEF)-हजरतपुर में दो नए फील्ड कार्यालय खोले।

(vii) निर्यात के क्षेत्र में डीजीएक्यूए सेशेल्स और मॉरीशस को डोर्नियर के लिए क्यूए कवरेज और अंतिम मंजूरी प्रदान कर रहा है और हम एलसीए, ब्रह्मोस और आकाश मिसाइलों के निर्यात के लिए आगामी ऑर्डर के लिए भी तैयार रहेंगे। इस दिशा में रक्षा मंत्रालय ने हाल ही में निर्यात के लिए निरीक्षण शुल्क (1-4%) से छूट दी है। इससे हमारा उद्योग निर्यात ऑर्डर प्राप्त करने में अधिक प्रतिस्पर्धी हो जाएगा और बाहरी एजेंसियों द्वारा पीडीआई की आवश्यकता से भी बच जाएगा।

(viii) हमने विभिन्न हितधारकों जैसे डीपीएसयू (एचएएल, बीईएल, बीडीएल, मिधानी), ओएफ-डीपीडीयू, डीआरडीओ प्रयोगशालाओं, उद्योग मंच (एसआईडीएम और एसआईएटीआई)), तेल पीएसयू (आईओसीएल (IOCL), बीपीसीएल (BPCL), आदि), उपभोक्ता सेनाओ (भारतीय वायुसेना, आर्मी एविएशन, नेवल एविएशन, ICG एविएशन) और निजी उद्योग के भागीदारी के साथ पिछले महीने विज्ञान भवन में "सैन्य-विमानन में स्वदेशी अनुसन्धान एवं विकास तथा विनिर्माण के प्रोत्साहन के लिए गुणवत्ता आश्वासन में सुधार" विषय पर एक कार्यशाला के आयोजन किया । उद्योग जगत के सुझावों को संकलित किया गया है और कार्रवाई योग्य बिंदुओं पर काम किया जा रहा है।

(ix) सामग्री के क्षेत्र में हाल ही में कई सुधारों के साथ एक व्यापक अध्ययन किया गया है; पिछले डिफेंस एक्सपो के दौरान माननीय आरएम जी द्वारा एक रिपोर्ट जारी की गई थी। पाँच पहल की गई हैं, अर्थात् प्रमाणन के लिए 03 बैचों की आवश्यकता को गैर-महत्वपूर्ण एयरो सामग्रियों

के लिए शुरू में राहत दी गई है। क्रमशः सीईएमआईएलएसी (CEMILAC) और डीजीएक्यूए द्वारा क्यूटीपी और एटीपी दस्तावेजों को समयबद्ध जारी किया गया है। मुख्य ठेकेदार द्वारा सीओसी (CoC) के आधार पर सामग्रियों की स्वीकृति, प्रयोगशाला पैमाने पर पायलट परीक्षण बैच के आधार पर प्रमाणीकरण, जिसे बाद में वास्तविक उत्पादन बैचों के दौरान बढ़ाया जा सकता है और अंत में औपचारिक आपूर्ति के बिना सीईएमआईएलएसी (CEMILAC) और डीजीएक्यूए द्वारा एयरो सामग्रियों का विकास और प्रमाणन किया जा सकता है। हमारे उद्योग मित्रों ने इन प्रावधानों का लाभ उठाना शुरू कर दिया है और इससे महत्वपूर्ण एयरो सामग्रियों के तेज गति से स्वदेशीकरण में मदद मिलेगी।

(x) मानव संसाधन के क्षेत्र में ग्रुप ए कैडर की कैडर समीक्षा को अंतिम रूप दे दिया गया है और कैबिनेट नोट का मसौदा प्रस्तुत किया गया है। इसके अलावा, कई अदालती मामलों के बावजूद, इस वर्ष अधिकारियों के एक बड़े समूह को उच्च स्तर पर पदोन्नत किया गया है।

(xi) गत वर्ष प्रशिक्षण के क्षेत्र में हमने 42 पाठ्यक्रम संचालित/आयोजित किए हैं जिनमें लगभग 300 डीजीएक्यूए कर्मियों को विभिन्न क्षेत्रों में प्रशिक्षित किया गया है।

(xii) राजभाषा के क्षेत्र में मुख्यालय ने पहली बार विभिन्न वित्तीय संस्थानों के राजभाषा अधिकारियों की भागीदारी के साथ दो दिवसीय कार्यशाला आयोजित की है। मुझे खुशी है कि हमारे हैदराबाद और इटारसी कार्यालयों को नराकास से राजभाषा में उत्कर्ष कार्य के लिए पुरस्कार मिला है। इसके अलावा, हम घरेलू राजभाषा पत्रिका के वार्षिक प्रकाशन के लिए विभिन्न फील्ड स्थापनाओं द्वारा किए गए कार्यों को प्रोत्साहित करते हैं।

हमारे घरेलू तकनीकी प्रकाशन 'वैमानिकी दर्पण' ने तीन साल पूरे कर लिए हैं और मैं अपने साथी अधिकारियों से सभी के पारस्परिक लाभ के लिए गुणवत्तापूर्ण लेख प्रदान करने का आग्रह करता हूं।

आइए 70वें स्थापना दिवस पर हम अपने कर्तव्यों को अत्यंत समर्पण और व्यावसायिकता के साथ निभाते रहने का संकल्प लें। मुझे विश्वास है कि उत्कृष्टता हासिल करने की हमारी सामूहिक क्षमता और हमारी प्रतिबद्धता डीजीएक्यूए को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगी।

जय हिन्द!

31-08-2023

(एस चावला)
महानिदेशक